



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 503]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 1, 1980/कार्तिक 10, 1902

No. 503]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 1, 1980/KARTIKA 10, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paglug is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1980

का० आ० 873(अ).—केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 695(अ)/18 कक/आई०डी०आर०ए०/72, तारीख 3 नवम्बर, 1972 (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्रबंध ग्रहण आदेश कहा गया है) द्वारा भारत का औद्योगिक पुनर्गठन निगम लिमिटेड, बलकला को, मैमर्स गणेश प्लॉग निम्न कम्पनी लिमिटेड, दिल्ली (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त उपक्रम कहा गया है) नामक औद्योगिक उपक्रम का 2 नवम्बर, 1977 तक की पांच वर्ष की अवधि के लिए, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय थी कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त अधिसूचित आदेश का उपर्युक्त पांच वर्ष के समाप्त होने के बाद भी प्रभावी बना रहना चाहिए और उगमे 2 नवम्बर, 1980 तक की, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, अनिश्चित अवधि के लिए इसे जारी रखने के लिए समय-समय पर निर्देश जारी किए थे (देखिए भारत सरकार के औद्योगिक विकास विभाग सं० का० आ० 742(अ), तारीख 1 नवम्बर, 1977 और का० आ० 630(अ), तारीख 2 नवम्बर, 1979।

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि प्रबन्ध ग्रहण आदेश 2 मई, 1981 की अवधि जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, तक प्रभावी बना रहे ;

अतः केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश करती है कि प्रबन्ध ग्रहण आदेश 2 मई, 1981 की अवधि, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, तक प्रभावी बना रहेगा।

2 केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में, यह भी निर्देश करती है कि उक्त उपक्रम का प्रबंध इस आदेश के पैरा 3 में निर्दिष्ट प्रबंध बोर्ड द्वारा, निम्नलिखित निबन्धनों और शर्तों पर, किया जाएगा ; अर्थात् :—

- (1) प्रबन्ध बोर्ड, समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए सभी आदेशों का पालन करेगा ;
- (2) बोर्ड 2 मई, 1981 तक, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, पदस्थ रहेगा ;
- (3) केन्द्रीय सरकार, यदि ऐसा करना आवश्यक समझती है, उक्त प्रबन्ध बोर्ड या प्रबन्ध बोर्ड के किसी सदस्य की नियुक्ति को बिना कोई कारण बताए 2 मई, 1981 से पूर्व समाप्त कर सकेगी।

3. प्रबंध बोर्ड नियमितिके संसिलकर गठित होगा प्रयोजन—

1. श्री श्रीकृष्ण अग्रवाल,
बाग बहेड़ा
जिला रायपुर (म०प्र०)
2. मुख्य निदेशक,
वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय,
नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नई दिल्ली
3. लेखा नियंत्रक,
वाणिज्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नई दिल्ली
4. सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार,
खाद्य एवं नागरिक पूर्ति विभाग, लखनऊ
5. सचिव, पंजाब सरकार,
खाद्य एवं पूर्ति विभाग, चंडीगढ़
6. ग्रुप इग्जिक्यूटिव (खाद्य तेल),
भारतीय राज्य व्यापार निगम लि०,
36 जनपथ "चन्द्रलोक", नई दिल्ली
7. संयुक्त सचिव, भारत सरकार,
औद्योगिक विकास विभाग,
नई दिल्ली
8. चीफ इग्जिक्यूटिव,
गणेश फ्लोर मिल्स कंपनी लि०,
[सब्जी मंडी, नई दिल्ली]
9. डिप्टी चीफ इग्जिक्यूटिव,
गणेश फ्लोर मिल्स कंपनी लि०,
सब्जी मंडी, दिल्ली
10. श्री ओ० पी० शर्मा, एडवोकेट,
175 टैगोर पार्क, माइज टाउन के समीप,
दिल्ली-110009

[स० फा० 4(6)/80 सो०पू०स०]

आर० एन० चोपड़ा,
संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 1st November, 1980

S.O. 873(E)/18AA/IDRA/80.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 695(E)/18AA/IDRA/72, dated the 3rd November, 1972 (hereinafter referred to as the taking over of management order), the Central Government had, in exercise of the powers conferred on it by sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), authorised the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta, to take over the management of the industrial undertaking known as Messrs. Ganesh Flour Mills Company Limited, Delhi (hereinafter referred to as the said undertaking), for a period of five years upto and inclusive of the 2nd day of November, 1977;

And, whereas, the Central Government, being of opinion that it is expedient in the public interest that the said notified order should continue to have effect after the expiry of the period of five years aforesaid, had issued directions from time to time, for such continuance for a further period upto and inclusive of the 2nd day of November, 1980, (vide Orders of the Government of India in the Department of Industrial Development Nos. S.O. 742(E), dated the 1st November, 1977 and S.O. 630(E), dated the 2nd November, 1979);

And, whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the taking over of management Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 2nd day of May, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the taking over of management Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 2nd day of May, 1981.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government further directs that the said undertaking shall be managed by the Board of Management referred to in paragraph 3 of this Order, subject to the following terms and conditions, namely:—

- (i) the Board of Management shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government;
- (ii) the Board shall hold office upto, and inclusive of, the 2nd day of May, 1981;
- (iii) the Central Government may terminate, without assigning any reason, the appointment of the said Board of Management, or of any member thereof, earlier than the 2nd day of May, 1981, if that Government considers necessary to do so.

3. The Board of Management shall consist of the following members, namely:—

CHAIRMAN

1. Shri Shrikrishna Agarwal,
Baghbehra, Raipur (M.P.)

MEMBERS

2. Chief Director, Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats, Ministry of Civil Supplies, New Delhi.
3. Controller of Accounts, Ministry of Commerce and Civil Supplies, New Delhi.
4. Secretary to the Government of Uttar Pradesh, Food and Civil Supplies Department, Lucknow.
5. Secretary to the Government of Punjab, Food and Supplies Department, Chandigarh.
6. Group Executive (Edible Oils), State Trading Corporation of India, 36-Janpath, 'Chandralok', New Delhi.
7. Joint Secretary to the Government of India, Department of Industrial Development, New Delhi.
8. Chief Executive, Ganesh Flour Mills Company Ltd., Subzi Mandi, Delhi.
9. Deputy Chief Executive, Ganesh Flour Mills Company Ltd., Subzi Mandi, Delhi.
10. Shri O. P. Sharma, Advocate, 175, Tagore Park, Near Model Town, Delhi-110009.

[F. No. 4(6)/80-CUS]
R. N. CHOPRA, Jt. Secy.